मेरी और अभिलाषा की प्रेम भरी चुदाई स्टोरी

“यह चुदाई स्टोरी है चंडीगढ़ की एक पंजाबी लड़की के साथ मेरी प्रेम भरी चुदाई की… वो लड़की मुझे कैसे मिली और बात चुदाई तक कैसे पहुंची ? पढ़ें ! …”

Story By: राहुल मुआअह (rahul.muuaah)
Posted: गुरूवार, अगस्त 31st, 2017
Categories: चुदाई की कहानी
Online version: मेरी और अभिलाषा की प्रेम भरी चुदाई स्टोरी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरी और अभिलाषा की प्रेम भरी चुदाई स्टोरी

दोस्तो, मैं फिर आया हूँ अपनी एक नई चुदाई स्टोरी के साथ जो मेरे साथ 2007 में घटी थी। सभी लंड वाले मनचले अपना लंड हाथ में ले लें और चूत वालियाँ अपनी अपनी चूत को गर्म करना शुरू करें।
यह मेरी तरफ से आप सबके लिए मानसून का तोहफा है…

यह चुदाई स्टोरी मेरी और मेरी दोस्त अभिलाषा की है जिससे मेरी मुलाकात एक बिज़नस सेमिनार के दौरान नॉएडा में हुई थी। अभिलाषा चंडीगढ़ की रहने वाली है और जैसा आप सबको पता है, पंजाबी लड़कियों में एक अलग कशिश होती है जिनको देख कर मन करता है कि बस चोद दो और चोदते जाओ। उसको देखने के बाद मेरे मन में भी सबसे पहला ख्याल यही आया कि कुछ भी हो, इसको चोदना जरूर है।
बस, फिर क्या था, धीरे धीरे शुरू हुई मेरी फीलिंडंग और हम कुछ ही दिनों में अच्छे दोस्त बन गए। हम दोनों की बातों का सिलसिला बढ़ता गया और हम रात रात भर फ़ोन पे बातें करने लगे।
इस सब में करीब 4 महीने निकल गए।

बातों के दौरान ये भी पता चल गया था कि अभिलाषा अपने पति से दूर रहती है और उसको एक अच्छे दोस्त की जरूरत है।
आया सितम्बर का महीना… जब उसका बर्थडे होता है।
मैंने उसको पार्टी के लिए कहा तो उसने मुझे चंडीगढ़ आने का न्योता दे डाला।

फिर क्या था, चूत तो चाहिए थी… जैसे तय हुआ था, उसी अनुसार मैंने चंडीगढ़ की तरफ

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

गाड़ी दौड़ा दी। वहाँ पहुँचने पर मैंने अभिलाषा को इन्फॉर्म किया तो उसने मुझे थोड़ी देर इंतजार करने को बोला।
करीब 2 घंटे बाद वो आई तो मैं उसको देखता ही रह गया। उसने मेरी चूंटी काटी तो मैं होश में आया और हम दोनों ने एक दूसरे से गले मिले। उसके बड़े बड़े चूचे मेरी छाती में गड़ रहे थे और उसके बदन की गर्मी मुझे पिघला रही थी।

मैंने उसको बताया कि वो कितनी हसीन लग रही है और इतना कहकर मैंने उसको गाल पे एक हल्की सी पप्पी दी।

फिर हम दोनों ने भोजन किया और चंडीगढ़ घूमने निकल गए। पूरे दिन उसने मुझे चंडीगढ़ घुमाया और शाम को एक पप्पी के साथ मुझे विदा करने लगी क्योंकि उसको अपने दूसरे दोस्तों को भी जन्मदिन की दावत देनी थी।
मुझे इस मुलाकात से संतुष्ट न देखते हुए उसने मुझसे कारण पूछा.
मैंने बताया कि मैं इतनी दूर तेरे से मिलने आया और हम ठीक से साथ में समय भी नहीं बिता पाए!
तो हम दोनों में ये तय हुआ कि हम अगले हफ्ते ही शिमला घूमने जाएंगे।

वो दिन मैंने कैसे काटे, ये बस मैं जानता हूँ पर इस बीच हम दोनों ने फ़ोन पे पप्पियाँ लेना और देना शुरू कर दिया था।

एक दिन मैंने उससे उसका साइज भी पूछा ताकि आगे का रास्ता खुले पर उसने बताने से मना कर दिया।
मैंने कहा कि अगर नहीं बताएगी तो जब भी हम मिलेंगे तो मैं खुद नाप लूंगा और उसने कुछ नहीं कहा।

बस अब इंतज़ार था तो शिमला जाने का।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

और फिर आया वो दिन जब हम दोनों चंडीगढ़ से शिमला के लिए रवाना हुए।

मैंने चलते ही अभिलाषा का हाथ अपने हाथ में ले लिया और उसको धीरे धीरे सहलाता रहा। कुछ दूर चलने के बाद मैंने अपना हाथ अभिलाषा के घुटने पर घुमाना शुरू किया जिससे वो मुस्कुराने लगी।
मेरे पूछने पे उसने बताया कि उसको गुदगुदी हो रही है और मैं ऐसे ना करूँ।
तो मैंने अपना हाथ थोड़ा ऊपर बढ़ाया और अब मेरा हाथ उसकी जाँघों पर था जिसको उसने झट से हटा दिया।

हम थोड़ी ही देर में शिमला पहुँचने वाले थे जब मैंने अभिलाषा को याद दिलाया कि मैंने उसका नाप लेना है और उसने फिर से मुस्कुरा कर बात टाल दी तो मुझे थोड़ा साहस बना। मैंने फिर से अपने हाथ को उसकी जांघ पे रख दिया और इस बार उसने कोई प्रतिरोध नहीं किया। इधर हम दोनों धीरे धीरे एक दूसरे से खुलते जा रहे थे और उधर मेरा लंड भी अब अंगड़ाई लेने लगा था।

मैंने अब अभिलाषा के गले में हाथ डाल दिया और उसको थोड़ा अपनी तरफ खींच लिया। थोड़ी ही देर में अभिलाषा ने अपना सर मेरे कंधे पे रख दिया और मैंने उसका सीधा हाथ पकड़ कर अपनी जांघ पे रख दिया। थोड़ी और आगे चलने पर मैंने गाड़ी धीरे करते हुए साइड में ली और अभिलाषा के होंठों पे अपने होंठ रख दिए जिसका उसने समर्थन तो नहीं किया पर उसने कोई विरोध भी नहीं किया
इतने में उसने मुझे झटका और सामने देखने को कहा क्योंकि हमारी गाड़ी आगे चल रहे ट्रक के बहुत करीब पहुँच गई थी।
अभिलाषा ने फिर मुझसे वो कहा जो मैंने सुनने को पता नहीं कब से बेकरार था। वो बोली- राहुल, पहले शिमला तो चलो फिर मैं और तुम दो दिन एक दूसरे के ही साथ हैं। ऐसे सड़क पे तो कोई भी दुर्घटना होने की सम्भावना है।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

फिर थोड़ा सब्र और थोड़े सफर के बाद हम शिमला पहुँचे।
होटल में कमरे की बात आई तो मैंने नाम लिखाया श्रीमती एवं श्री राहुल, जिसपे अभिलाषा थोड़ी चौंक गई पर अगले ही पल उसके चेहरे पे मैंने मुस्कान देखी और मैं समझ गया कि आज बात बन ही जायेगी।

होटल में कमरा ले कर हम कमरे में पहुँचे, अपना सामान रखा और एक दूसरे के बाजू बैठ कर बातें करने लगे। हम दोनों ही शायद एक शुरुआत के मोहताज़ थे। थोड़ी देर बाद मैंने ही बातों बातों में अभिलाषा की जांघ पे हाथ रखा और उसको सहलाने लगा।
उसकी तरफ से कोई ऐतराज़ न देख मैंने अपना सर अभिलाषा की गोद में रख दिया और उसके चेहरे को अपने हाथों से सहलाने लगा। मैंने अभिलाषा के सर को थोड़ा अपनी तरफ किया और वह खुद को थोड़ा ढीला छोड़ते हुए अपने होंठ मेरे होंठों पे रख उन्हें चूमने लगी।
चूमते चूमते मेरी जीभ अभिलाषा की जीभ से लिपटने लगी और हम दोनों ने एक लंबी पप्पी की शुरुआत की जो करीब चार से पांच मिनट तक चली।

फिर मैंने अभिलाषा को थोड़ा आराम करने को कहा और पलंग पे जाकर लेट गया। लेटने से पहले मैंने अपनी जीन्स और शर्ट जरूर उतार दी और फिर रजाई में घुस कर लेट गया।

अभिलाषा सोफे पे ही बैठी शर्मा रही थी कि मैंने हवा में उसकी तरफ एक पप्पी उछाल दी। उसको जब कुछ समझ नहीं आया तो मैंने उसको रज़ाई में आने को कहा। मैंने रजाई के अंदर ही अपनी चड्डी कुछ इस तरह उतारी जिससे अभिलाषा को पता ना चले कि मैं रजाई के अंदर पूरी तैयारी में हूँ।
थोड़ी ना नकुर के बाद अभिलाषा भी बिस्तर पे आ गई और मैंने उसको अपनी बाहों में भर लिया।

हम दोनों के होंठ एक दूसरे को चूम रहे थे और मैं अपनी जीभ से उसकी लपलपाती जीभ

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

को महसूस कर सकता था। मेरे हाथ अभिलाषा की पीठ पर घूम रहे थे और मैं धीरे धीरे अभिलाषा को अपने ऊपर लेने की कोशिश कर रहा था।
इसी बीच मैंने एक हाथ को अभिलाषा की टीशर्ट के अंदर हाथ डाल कर उसकी ब्रा का हुक खोल दिया और दूसरे हाथ को उसकी जीन्स के अंदर कर उसकी गांड को सहलाने लगा था।

अभिलाषा गर्म हो चुकी थी पर अभी भी वो हल्का विरोध कर रही थी पर क्योंकि हम दोनों अभी भी एक दूसरे के होंठों को चूस रहे थे तो वो मुझे कुछ कह नहीं पा रही थी।

उसकी गांड को सहलाते सहलाते मेरी उंगलियाँ उसकी गांड के छेद तक पहुंच चुकी थी और अब मैं जब भी उसकी गांड के छेद को छेड़ता तो उसके शरीर की सिहरन को महसूस कर सकता था। उसके मुँह से घुटी घुटी सिसकारियां भी सुनी जा सकती थीं।
अभिलाषा अभी भी मेरे साइड में ही लेटी थी और अब उसके हाथ भी मेरे शरीर पर घूमने लगे थे।

धीरे धीरे मैं उसके हाथ को अपने लंड की तरफ ले जा रहा था जो की बेसब्री से उसके हाथ की गर्मी को महसूस करने का इंतज़ार कर रहा था।

और यह क्या… अभिलाषा ने जैसे ही मेरे लंड को छुआ, उसने अपना हाथ पीछे खींच लिया और अपने होंठों को मेरे से दूर करते हुए उसने सवालिया निगाहों से मुझे देखा।
मैंने पूछा- क्या ?
अभिलाषा- तुमने अपने सारे कपड़े कब निकाले ?
मैंने कहा- तुमने ध्यान नहीं दिया ? जब मैं रजाई में घुसा था, तभी मैंने अपने कपड़े उतार दिए थे। पर हुआ क्या है ?
अभिलाषा- ये सब गलत है राहुल, हम ये नहीं कर सकते !
मैंने कहा- मैं तुमसे बहुत प्यार करता हूँ अभिलाषा, और मैं जानता हूँ कि तुम भी करती हो, वरना आज यहाँ मेरे साथ नहीं होती।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अभिलाषा चुप थी और उसकी चुप्पी ही उसकी हाँ भी थी।

मैं आगे बोला- मैं तुम्हें महसूस करना चाहता हूँ अभिलाषा, तुम्हें बहुत सारा प्यार करना चाहता हूँ। तुम्हें हर वो सुख देना चाहता हूँ जो तुम्हें मिलना चाहिए।
इतना कहकर मैंने फिर से अभिलाषा का हाथ अपने लंड पर रख दिया जिसका उसने अब विरोध नहीं किया।

अब अभिलाषा मेरे लंड का हल्के हाथ से मर्दन करने लगी थी और हम दोनों के होंठ फिर से एक हो गए। मैं अभिलाषा को अपने ऊपर ले चुका था और मेरे हाथ अभिलाषा की टीशर्ट को ऊपर उठा कर उसकी चुची को सहलाने लगे थे।
मैंने अभिलाषा की टीशर्ट को उसकी ब्रा से साथ ही उसके जिस्म से अलग किया और अब मैं पहली बार उसकी खूबसूरत चुची को अपनी आँखों से देख रहा था। इतनी खूबसूरत चुची को देखते ही मैंने अपने मुँह में भर लिया और उसके मुँह से जो आह निकली, वो मुझे आज तक याद है।

मेरे दोनों हाथ अभिलाषा की गांड सहला रहे थे और धीरे धीरे मैं उसकी जीन्स भी नीचे करने लगा था। अभिलाषा की सहमति इस बात से पता चलती है कि उसने मेरे हाथों को अपनी बेल्ट पर रख कर उसको खोलने का इशारा किया और खुद को थोड़ा ऊपर उठा कर मुझे अपनी बेल्ट खोलने में मदद भी की।
मैंने देर न करते हुए उसकी जीन्स उतार दी और उसकी चुत को पैंटी के ऊपर से ही अपनी मुट्ठी में भर लिया तो पाया कि उसकी चुत ऐसे पानी छोड़ रही थी जैसे कोई नल ही खुल गया हो।

मैंने अभिलाषा को पलंग पे लेटने को कहा और खुद उसके शरीर को जीभ से चाटने लगा। थोड़ी ही देर में मैं उसकी एक चुची को चूस रहा था और दूसरी चुची की घुंडी को मरोड़ रहा था जबकि मेरा दूसरा हाथ अब भी उसकी चुत को मुट्ठी में दबाने का काम कर रहा था।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अभिलाषा ऐसे तड़प रही थी जैसे पानी बिन मछली और अब उसने मेरे सिर को अपनी चुत की तरफ धकेलना शुरू कर दिया था। उसकी बात समझते हुए मैंने उसकी चुची को छोड़ कर नीचे बढ़ना शुरू किया और उसकी नाभि पे आके मेरी जीभ रुक गई। मैं उसकी सुन्दर, सुडौल और सेक्सी नाभि को अपनी जीभ से पिनिया रहा था और उसके पेट की थिरकन बता रही थीं कि उसको कितना आनन्द आ रहा है।

उसकी सिसकियाँ अब हल्की कराहटों में बदल चुकी थीं और उसके हाथ अभी भी मुझे नीचे धकेलने में लगे थे। कुछ और देर उसकी नाभि से खेलने के बाद मैं उसकी चुत की तरफ बढ़ा और उसकी पैंटी के ऊपर से ही उसकी चुत को चूमने चाटने लगा। अभिलाषा अपने पैर ऊपर उठा चुकी थीं और बुरी तरह से काँप रही थी।

मैंने उसकी पैंटी को दोनों हाथों से पकड़ कर एक झटके में उतार दिया और अब अभिलाषा मेरे सामने जन्मजात नंगी अवस्था में लेटी थी। जैसे ही मैंने उसकी पैंटी उतारी, उसने बड़े ही नशीले स्वर ने मेरा नाम पुकारा- ओह रआआआ… हुलललल…
मैंने देर न करते हुए उसकी चुत को चाटना शुरू किया और मेरे दोनों हाथ अब उसकी चुची का मर्दन कर रहे थे। अभिलाषा मेरे सिर को अपनी चुत में ऐसे धकेल रही थी जैसे मेरा पूरा सिर अपनी चुत में ही घुसा देगी।

कुछ ही देर में अभिलाषा का शरीर अकड़ने लगा और उसकी चुत से अब मादक रसों का झरना बहने लगा जिसको मैंने अपनी जीभ से चाट कर साफ़ किया। उसके रस से आ रही मादक खुशबू पूरे कमरे में फ़ैल चुकी थीं और हम दोनों को भी चरम पे पंहुचा रही थी।
आम तौर पे लड़की झड़ने के बाद ठंडी पड़ती है पर अभिलाषा मुझे अपने ऊपर खींचने लगी और बोली- राहुल, मेरी आग शांत कर दो। बहुत दिनों से तुम्हारे प्यार का इंतज़ार था मुझे और अब मैं और नहीं रुक सकती। प्लीज, मुझे अपने प्यार की बौछार से गीला कर दो राहुल…

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरा लंड भी बहुत देर से खड़ा था और अब थोड़ा दर्द करने लगा था। मेरे पास इसको राहत पहुंचाने का कोई और रास्ता नहीं था तो मैंने अपने लंड को अभिलाषा की चुत पे लगाया और उसकी चुत को अपने लंड से थपथपाने लगा।
अभिलाषा मुझसे चुदाई के लिए भीख से मांग रही थी और मुझे उसको तड़पाने में जो मज़ा आ रहा था, उसको बयां करना सूरज को दीपक दिखाने जैसा ही है। इसको सिर्फ वही लोग समझ सकेंगे जिन्होंने कभी अपनी साथी को यूँ तड़पाया हो या तड़पते देखा हो। यह एक ऐसी अनुभूति है जिससे ज्यादा सुखद शायद कुछ नहीं।

अब अभिलाषा नीचे से अपनी चुत को ऊपर उठा कर मेरे लंड को निगलने की कोशिश करने लगी। प्यार की लालसा में उसकी आँखों से आंसू निकल रहे थे और बार बार वो अपनी चुत को ऊपर उठा कर मेरा लंड निगलने की नाकाम कोशिश कर रही थी।
मैंने मौका देखते हुए अभिलाषा की चुत में तब झटका मारा जब वो अपनी चुत को ऊपर उठा कर मेरा लंड निगलने की कोशिश कर रही थीं। क्योंकि अभिलाषा पहले ही एक बार झड़ चुकी थी और मैंने धक्का भी उसकी ऊपर आती चुत में मारा था तो मेरा लंड एक ही झटके में अभिलाषा की चुत को चीरते हुए उसकी बच्चेदानी से जा टकराया और अभिलाषा की जोरदार चीख उम्म्ह… अहह… हय… याह… कमरे में गूंज गई।

अभिलाषा इतनी ज़ोर से चीखी कि एक बार तो मैं भी डर गया पर धीरे धीरे वो सामान्य होने लगी थी। उसने शायद बहुत दिनों के बाद कोई लंड लिया था और इस प्रहार के लिए वो तैयार नहीं थी।
हर धक्के से मेरा लंड अभिलाषा की चुत की दीवारों को चीरता हुआ अंदर प्रविष्ट हो रहा था और इस चुदाई से होने वाले आनन्द को अभिलषा की आँखों में साफ़ देखा जा सकता था।

यह हिंदी चुदाई स्टोरी आप अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं!

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अभिलाषा के मुख से आती हुई भीनी भीनी चीखें मुझे बहुत ज्यादा उत्तेजित कर रही थीं और मैं और तेज़ी से धक्के लगा रहा था। मैंने भी जोश में आके अभिलाषा के गालों को चाटना शुरू कर दिया। मेरे हाथ अब भी अभिलाषा की चुची का मर्दन कर रहे थे।

मैंने अभिलाषा को इशारा करके मेरी बगल चाटने को बोला क्योंकि जब कोई लड़की चुदाई के समय ऐसा करती है तो मेरा खून दुगनी तेज़ी दे दौड़ने लगता है। अभिलाषा के ऐसा करने से मैं इतना उत्साहित हो गया कि मैंने उसके गाल पे एक हल्की सी चपत लगा दी।
मुझे पता था कि ऐसा करने से अभिलाषा अपनी चुत को भींचेगी और लंड चुत के बीच घर्षण बढ़ेगा जिससे इस चुदाई में और भी ज्यादा मज़ा आएगा।
अभिलाषा- ओह राहुल, क्या कर रहे हो ?
मैं- तुम बहुत मज़ा दे रही हो मेरी जान…
और कहते कहते मैंने अभिलाषा को एक और चपत लगा दी, इस बार थोड़ी जोर से…

इस चपत के साथ ही अभिलाषा चीखों के साथ जोरदार तरीके से दोबारा झड़ने लगी और उसके रस मेरे लंड को डुबोते हुए उसकी चुत से बाहर रिसने लगे। अभिलाषा की चुत इतना ज़ोरों से बह रही थी कि उसके रस उसकी चुत से होते हुए अंदरुनी जांघों के रास्ते उसकी गांड को गीला करते हुए बिस्तर को भिगोने लगे।

अभिलाषा के मुँह से निकल रही चीखों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा था-
राहुल, तुमने ये क्या कर दिया मुझको। मुझे ऐसा सुख पहले कभी नहीं मिला राहुल !
‘हमम्म…’ मैंने एक और चपत लगाते हुए हुंकार भरी।
यह चपत पिछली चपत से भी जोरदार थी और मुझे ऐसा जंगली प्यार करने में भी अब मज़ा आने लगा था। मेरी चपत से अभिलाषा का गाल लाल होने लगा था और उसको उससे होता दर्द भी उसकी सिसकारियों में सुना जा सकता था पर शायद उसकी चुदाई से

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

जो सुख उसको मिल रहा था वो इस दर्द पे कुछ ज्यादा ही हावी था।

अभिलाषा- ऐसे मत करो ना, बहुत कंपकपी छूट रही है तुम्हारी चपत से राहुल… और अब दर्द भी हो रहा है।
मैं- मज़ा भी तो आ रहा है इस कसावट से मेरी जान! इन चपत के बिना तेरी चुत थोड़ी ढीली लग रही थी पर अब उसमें जो कसावट आई है, वो कुछ ऐसी है जैसे मैं कोई नई चुत खोल रहा हूँ!
कहते कहते मैंने अभिलाषा को एक और जोरदार चपत लगा दी।

अभिलाषा- मज़ा तो बहुत आ रहा है पर तुम्हारा बहुत अंदर तक जा रहा है राहुल। और हर चपत के साथ तुम्हारा पहले से ज्यादा मोटा होता जा रहा है…
मैं- क्या अंदर तक जा रहा है अभी? क्या है जो मोटा होता जा रहा है?
अभिलाषा शरमाते हुए- तुम्हारा लंड राहुल…
मैं एक और हुंकार भरते हुए- मेरा लंड मोटा नहीं हो रहा मेरी जान, तेरी चुत सिकुड़ रही है चपत से…

अभिलाषा- ओह राहुल, तुम बहुत अंदर तक जा रहे हो। कहीं कुछ हो तो नहीं जाएगा ना?
मैं- हो जाएगा तो उसको भी देख लेंगे। पहले इस पल का आनन्द तो लेने दे…
अभिलाषा- ओह राहुल… रआआआ… हूउउउउललल… आई लव यू राहुल…

मैंने अपनी चुदाई जारी रखते हुए अपने धक्कों की गति को बढ़ा दिया। अभिलाषा अब तक दो बार झड़ चुकी थी और मेरा लंड तनाव भी महसूस नहीं कर रहा था। ऐसा लग रहा था जैसे सारी गर्मी आज अभिलाषा की चुत में ही भर देगा।
अभिलाषा भी अब थकने लगी थी और मुझे जल्दी करने को बोल रही थी।
मैंने उसको बोला- मुझे अभी थोड़ा समय लगेगा!

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

तो उसने मेरी पीठ पर अपने हाथ घूमने चालू किये और बीच बीच में वो मुझे अपने नाखून भी चुभा देती।

अभिलाषा मुझे अपनी जीभ से हल्के हल्के चाट भी रही थी और अब उसने मुझे अपने दांतों से काटना भी शुरू कर दिया था। शायद इस लम्बी पारी से उसको कुछ ज्यादा ही दर्द हो रहा था और वो चाह रही थी कि मैं जल्दी ही उसकी चुत को अपने रस से निहाल कर दूँ। उसने अपनी चुत को भी हिलाना शुरू कर दिया था और वो कुछ ऐसे लयबद्ध तरीके से ऊपर नीचे हो रही थी जिससे मेरे लंड को ज्यादा से ज्यादा घर्षण महसूस होने लगा था। अब मैं भी अपने लंड में एक खिंचाव महसूस करने लगा था और मेरा लावा थोड़ी ही देर में फूट सकता था। मैंने अभिलाषा को बोला कि वो मुझसे थोड़ी गरमागरम बातें करे ताकि मैं जल्दी ही झड़ सकूँ…

अभिलाषा- ओह राहुल, फाड़ को मेरी चुत को, आज बहुत दिनों बाद ये सुख मिला है मुझे। अपने लंड की बौछार से मेरी चुत को तर कर दो मेरे दोस्त। मैं ज़िन्दगी भर तुम्हारी गुलाम बनके रहूंगी बस मेरी चुत को इतना फाड़ो जितनी ये कभी नहीं फटी राहुल…

अभिलाषा के शब्द मेरे कानों में जादू कर रहे थे और अब मैं भी चरम पे पहुंचने लगा था। मैंने अभिलाषा को अपनी बाहों में जकड़ लिया था और मेरे लंड और उसकी गांड की थाप से होने वाली आवाज़ कमरे की दीवारों से टकरा कर गूंजने लगी थी।
हम दोनों पहले ही अभिलाषा के रसों से भीगे हुए थे और बची हुई कसर हमारे पसीने ने पूरी कर दी थी। मैं लगातार धक्के लगा रहा था और हम दोनों की कराहटें असीम आनन्द का अनुभव करा रही थीं।
मुझे भी अब धक्के मारते मारते दर्द होने लगा था और मैं एक लावा छोड़ने की सीमा तक पहुंच चुका था। अभिलाषा का शरीर भी अकड़ने लगा था और अभिलाषा ने एक हुंकार के साथ एक बार फिर से अपना झरना बहा दिया था। अभिलाषा के गरमा गरम रस ने जैसे ही

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरे लंड को छुआ की मेरे लंड ने जैसे एक ज्वालामुखी छोड़ दिया। एक के बाद एक बौछार मेरे लंड से निकलती ही चली गई।
जैसे ही मेरा बीज अभिलाषा की चुत में गिरा, अभिलाषा ने अपनी आँखें बंद कर ली और उसकी एक आँख से मोती जैसी एक आंसू की बून्द बह गई।

इधर उसकी चुत भी पूरे प्रवाह से बह रही थी और हम दोनों के दिलों की धड़कन को वहाँ आसानी से सुना जा सकता था। मैंने इतना लावा बहाया कि आधे से ज्यादा पलंग गीला हो गया था। मेरे लंड में एक सुखद अहसास के साथ साथ जलन भी हो रही थी पर मैं बहुत समय के बाद तृप्त हुआ था, मैंने ऐसी धुआंधार पारी बहुत समय के बाद खेली थी और मुझे खुद पर गर्व भी था कि मैं अभिलाषा को संतुष्ट कर सका।

हम दोनों को सांसें पकड़ते संभालते बहुत समय लगा। फिर मैंने घड़ी की तरफ देखा तो पाया कि हमारी चुदाई करीब डेढ़ घंटा चली थी। शायद इसीलिए मुझे चलने में भी दर्द हो रहा था। जिन्होंने लम्बी चुदाई की है, वो जानते होंगे कि लम्बी चुदाई करने से पेट के निचले हिस्सों मतलब करीब किडनियों के ऊपर में बहुत दर्द होता है।

फिर हम दोनों एक दूसरे की बाहों में ही सो गए। सो कर उठे तो नहाने चले गए और एक राउंड चुदाई का नहाते नहाते चला।

हम शिमला में दो दिन रुके और भरपूर चुदाई की। दो दिन और एक रात में हमने कुल सात बार चुदाई की जिसमें मैं सात बार झड़ा और अभिलाषा पता नहीं कितनी बार!
उसने बाद की चुदाई में मेरा लंड भी चूसा और हम दोनों की चुदाई की कहानी पूरे तीन साल तक चली।
अभिलाषा को मुझसे एक बेटी भी है जिसका नाम हमने मंशा रखा है।

आप सबको मेरी और अभिलाषा की चुदाई स्टोरी कैसी लगी, जरूर बताएं, मुझे आप

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

सबके कथन और सुझाव का इंतज़ार रहेगा।

rahul.muuaah@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Kambi Malayalam Kathakal

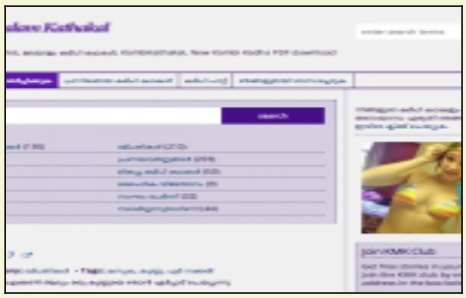

URL: www.kambimalayalamkathakal.com **Average traffic per day:** 31 000 GA sessions **Site language:** Malayalam **Site type:** Stories **Target country:** India Daily updated hot erotic Malayalam stories.

Kannada sex stories

URL: www.kannadasexstories.com **Average traffic per day:** 13 000 GA sessions **Site language:** Kannada **Site type:** Story **Target country:** India Big collection of Kannada sex stories in Kannada font.

Desi Tales

URL: www.desitales.com **Average traffic per day:** 61 000 GA sessions **Site language:** English, Desi **Site type:** Story **Target country:** India High-Quality Indian sex stories, erotic stories, Indian porn stories & sex kahaniya from India.

Pinay Sex Stories

URL: www.pinaysexstories.com **Average traffic per day:** 18 000 GA sessions **Site language:** Filipino **Site type:** Story **Target country:** Philippines Everyday there is a new Filipino sex story and fantasy to read.

Indian Gay Porn Videos

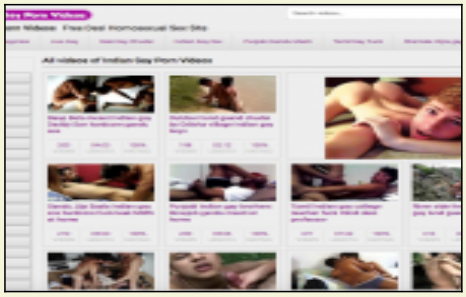

URL: www.indiangaypornvideos.com **Average traffic per day:** 10 000 GA sessions **Site language:** **Site type:** Video **Target country:** India Welcome to the world of gay porn where you will mostly find Indian gay guys enjoying each other's bodies either openly for money or behind their family's back for fun.

Hot Arab Chat

URL: www.hotarabchat.com **CPM:** Depends on the country - around 2,5$ **Site language:** Arabic **Site type:** Phone sex - IVR **Target country:** Arab countries Listing of phone sex services for Arabic speaking audience (web view).

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire